आईसीएआर-सीआईएफई ने लॉन्च किया सीआईएफई एक्वा-स्किल हब (कॅश) पोर्टल: मछली पालन प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण में ई-सशक्तिकरण की दिशा में एक छलांग

भारत में मछली पालन प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियों को सुव्यवस्थित और डिजिटाइज़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईसीएआर - सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन (सीआईएफई), मुंबई ने दिनांक 17 अप्रैल 2025 को अपना अत्याधुनिक सीआईएफई एक्वा-स्किल हब (कॅश) पोर्टल लॉन्च किया।

इस पोर्टल का उद्घाटन आईसीएआर-सीआईएफई के माननीय निदेशक डॉ. रविशंकर सी. एन. द्वारा, संयुक्त निदेशक डॉ. एन. पी. साहू और संस्थान के वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों तथा प्रशिक्षण समन्वयकों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

कॅश पोर्टल, एक समर्पित पेपरलेस डिजिटल मंच के रूप में विकसित किया गया है, जो प्रशिक्षण प्रस्ताव से लेकर द्विभाषी प्रमाण पत्र निर्माण तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया को स्वचालित करता है। यह पोर्टल एनईएच, टीएसपी, एससीएसपी और एचआरडी कार्यक्रमों के तहत सभी संबंधित पक्षों को वास्तविक समय में आंकड़े और विश्लेषण प्रदान करता है।

डॉ. रविशंकर सी. एन. ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की और कहा कि, "कॅश पोर्टल, डिजिटल समावेशन, पारदर्शिता और मत्स्य शिक्षा में भागीदारों को सशक्त बनाने की दिशा में सीआईएफई की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण कदम है।"

डॉ. एन. पी. साहू ने पोर्टल की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित किया, जैसे प्रशिक्षण सामग्री तक पहुंच, प्रमाण पत्र डाउनलोड, वित्तीय रिपोर्टिंग, तथा लिंग, भौगोलिक क्षेत्र एवं प्रशिक्षार्थी वर्ग के अनुसार डेटा विश्लेषण। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास "बेहतर पहुंच सुनिश्चित करेंगे, प्रभाव मूल्यांकन में सहायता करेंगे और प्रशिक्षण विधियों में नवाचार को बढ़ावा देंगे।"

यह कार्यक्रम सीआईएफई के वैज्ञानिकों और स्टाफ सदस्यों की उत्साही उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जिन्होंने इस मील का पत्थर माने जाने वाले पहल की सराहना की। यह पोर्टल फिलहाल अंग्रेज़ी में उपलब्ध है और शीघ्र ही इसे बहुभाषी बनाया जाएगा ताकि भारत के विभिन्न हिस्सों में इसकी पहुंच बढ़ सके। निकट भविष्य में, कॅश पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर का मंच बनाने की योजना है, जो पूरे भारत में मत्स्य और जलीय कृषि प्रशिक्षण गतिविधियों को जोड़ सकेगा।

कॅश पोर्टल का शुभारंभ, मत्स्य शिक्षा को सशक्त बनाने और सतत जलीय कृषि एवं मछुआरा कल्याण हेतु कौशल विकास को बढ़ावा देने में सीआईएफई की अग्रणी भूमिका का प्रमाण है।